टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए' , मिनी रत्न , पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

गंगावतरणम
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

मई,2025

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर
श्री आर. डी. मंमगाई
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक(जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

CONTENTS

1. CMD's Message — 3.
2. Dedication of 1st Unit of KSTPP to nation by Hon'ble PM & THDC participated in the study visit of the Joint Committee on the Constitution (129th Amendment) Bill, 2024 — 4.
3. Discussion session held at SCOPE Complex on "Pumped Storage Projects: Powering India's Renewable Future" — 5.
4. Hindi Quiz Competition organized at Khurja Project — 6.
5. THDCIL Conducted Holistic Wellness Program for Employees on Bone, Joint & ENT Health — 7.
6. THDCIL Observed Swachhata Pakhwada 2025 — 8.
7. Various activities conducted under Swacchata Pakhwada — 9.
8. Director (Technical), THDCIL Visited KSTPP & Rishikesh & Amelia Coal Mine Project observed International Labour Day — 10.
9. CVO, THDCIL visited Amelia Coal Mine Project & Ladies Club — 11.
10. Nepal Delegation visited Tehri Dam Project & CERC members visited Tehri Dam Project — 12.
11. Joint Rajbhasha inspection of KSTPP office completed & THDC conferred with HR Excellence Company of the Year 2025 Award — 13.
12. HRD Corner — 14.
13. Health Camp at Tehri & VPHEP & TUSCO Ltd. observed International Labour Day — 15.
14. Labour Day and Training workshop organized at KSTPP & Environment Awareness Campaign at VPHEP — 16.
15. Article: Project Management through Primavera — 17.
16. Retirements — 19.

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।
Knowledge is the supreme wealth.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

**"उत्साहो बलवानार्य नास्त्युत्साहात्परं बलम्।
सोत्साहस्य लोकेषु न किञ्चिदपि दुर्लभम्॥"**

प्रिय सहकर्मियों,
यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का क्षण है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने कठिन परिश्रम, अथक समर्पण और उत्कृष्ट टीम भावना के बल पर अपनी 1320 मेगावाट की खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना की प्रथम इकाई (660 मेगावाट) की सफल कमीशनिंग कर ली है जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह उन अनगिनत प्रयासों, दिन और रात की मेहनत और हर चुनौती का डटकर सामना करने की हमारी सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। मैं इस उपलब्धि के लिए पूरी खुर्जा टीम और इस प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देता हूं।
माननीय प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2019 में इस ऐतिहासिक परियोजना की आधारशिला रखी थी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने खुर्जा एसटीपीपी का निष्पादन रिकॉर्ड अवधि में पूरा किया जो टीएचडीसी की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रमाण है। यह परियोजना एक प्रमुख मील का पत्थर है क्योंकि टीएचडीसीआईएल जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा के साथ विविधीकृत ऊर्जा उत्पादक के रूप में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है। इससे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन सुदृढ़ होती जा रही है।
साथियों, यह परियोजना उत्तर प्रदेश के विद्युत क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करती है और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत आत्मनिर्भर ऊर्जा क्षेत्र के निर्माण के राष्ट्रीय दृष्टिकोण का अनुसरण करती है।
इस परियोजना को इसके अंतिम चरण तक लाने में निगम के प्रत्येक विभाग और प्रत्येक कर्मचारी ने अपनी भूमिका को पूरी निष्ठा से निभाया है। आपके जुनून, प्रतिबद्धता और 'कुछ कर दिखाने' के संकल्प ने ही इस स्वप्न को साकार किया है। मैं आप सभी को पुनः इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और आपके सहयोग के लिए आपका आभार प्रकट करता हूं।
इसके साथ ही देश की पहली वेरिएबल स्पीड पम्प स्टोरेज परियोजना, 1000 मेगावाट टिहरी पम्प स्टोरेज प्लांट भी अपनी पूर्ण कमीशनिंग के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। जैसा कि आप सभी को विदित है कि इसकी प्रथम यूनिट (250 मेगावाट) के वाणिज्यिक संचालन की तिथि की घोषणा माननीय विद्युत मंत्री जी द्वारा कर दी गई है जो कि पूरे टीएचडीसी परिवार के लिए गर्व का विषय है | साथियों जल्द ही इसकी सभी यूनिटों को कमीशन करके हम विद्युत परिदृश्य में नया अध्याय जोड़ेंगे जो हम सभी के लिए एक अविस्मरणीय पल होगा |
मैं मानता हूं कि यह सफलताएं केवल एक पड़ाव है, हमारी यात्रा यहीं नहीं रूकती। हमें अपनी भावी परियोजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन की ओर बढ़ना है, और मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आपकी ऊर्जा, आपकी निष्ठा और आपकी प्रतिबद्धता के बल पर हम हर लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।
आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम इसी उत्साह, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ेंगे और अपने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।
आप सभी को एक बार पुनः हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।
जय हिंद!

(आर. के. विश्नोई)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

माननीय प्रधानमंत्री ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की पहली 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना की प्रथम यूनिट (660 मेगावाट) को राष्ट्र को समर्पित किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 30 मई, 2025 को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में स्थित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की पहली थर्मल पावर परियोजना, 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (केएसटीपीपी) की प्रथम यूनिट (660 मेगावाट) के साथ राज्य की अन्य परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। विद्युत क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने अपने थर्मल पावर प्लांट की प्रथम यूनिट को कमीशन कर, एक विशेष उपलब्धि के रूप में इसे दर्ज किया, जिसके परिणामस्वरूप इसके विविधतापूर्ण ऊर्जा पोर्टफोलियो में काफी वृद्धि हुई है।

उद्घाटन के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि "यह उत्तर प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पॉवर प्लांट्स के बाद उत्तर प्रदेश में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी। इससे यहाँ के उद्योगों को भी गति मिलेगी।"

इस मेगा प्लांट की आधारशिला 2019 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी | खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट निगम की एक प्रमुख उपलब्धि है क्योंकि टीएचडीसीआईएल जल विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा से आगे बढ़ते हुए अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, जो एक विविध ऊर्जा नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ करता है। वर्तमान में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की इक्विटी में एनटीपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश सरकार की हिस्सेदारी है।

660 मेगावाट की इस यूनिट के कमीशन होने के साथ, टीएचडीसीआईएल की कुल संस्थापित क्षमता 1587 मेगावाट से बढ़कर 2247 मेगावाट हो गई है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी और श्री ब्रजेश पाठक जी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

THDC participated in the study visit of the Joint Committee on the Constitution (One Hundred and Twenty-Ninth Amendment) Bill, 2024

THDC India Limited (THDCIL), participated in the official study visit of the Joint Committee on the Constitution (One Hundred and Twenty-Ninth Amendment) Bill, 2024, and the Union Territories Laws (Amendment) Bill, 2024, held from 21st to 22nd May, 2025 in Dehradun, Uttarakhand. The high-level delegation was led by the esteemed Chairperson of the Joint Parliamentary Committee (JPC), Hon'ble Shri P. P. Chaudhary, and included Hon'ble Members of Parliament and senior officials from the Ministry of Law and Justice.

Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Pushkar Singh Dhami and Hon'ble Speaker of Uttarakhand State Assembly, Smt. Ritu Khanduri Bhushan also participated in the dialogue underscoring the significance of the occasion and reaffirming the state government's commitment to inclusive democratic processes and developmental initiatives. As one of the hosting organization, THDC India Limited played a pivotal role in organizing and facilitating the visit witnessing participation from various prominent PSUs, including NTPC, NHPC, and REC. Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), represented THDCIL during the meeting, highlighting the organization's continued commitment to national development and policy discourse.
Being one of the hosting PSU, the smooth and successful convening of this two-day event further reinforced THDCIL's role not only as a leader in infrastructure and energy development but also as a proactive and responsible partner in fostering democratic dialogue and contributing meaningfully to National policy deliberations.

पंप स्टोरेज परियोजनाएं: भारत के नवीकरणीय भविष्य को ऊर्जा प्रदान करना" विषय पर स्कोप कॉम्प्लेक्स में विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा एनटीपीसी के सहयोग से सीबीआईपी और आईएनसीओएलडी के सहयोग से स्कोप कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में "पंप स्टोरेज परियोजनाएं: भारत के नवीकरणीय भविष्य को ऊर्जा प्रदान करना" विषय पर 01 मई, 2025 को उच्च स्तरीय विचार-विमर्श सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सत्र में शीर्ष सरकारी अधिकारियों, नीति निर्माताओं, डेवलपर्स, पर्यावरण विशेषज्ञों, नियामकों और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों सहित 300 से अधिक प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दिन भर चले इस कार्यक्रम में भारत के नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तनकाल का समर्थन करने और 2070 तक नेट जीरो के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की बढ़ती भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस) एवं अपर सचिव (हाइड्रो), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, श्री आकाश त्रिपाठी (आईएएस) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सदस्य (हाइड्रो), सीईए, श्री एम. जी. गोखले, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी, श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल, श्री आर. के. विश्नोई, संयुक्त सचिव (हाइड्रो), विद्युत मंत्रालय, श्री मोहम्मद अफजल, निदेशक (तकनीकी), टीएचडीसीआईएल, श्री भूपेंद्र गुप्ता, सचिव, सीबीआईपी, श्री ए. के. धिनकर के साथ ही भारत के विद्युत क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।
इस कार्यक्रम में चार पैनल चर्चाओं में जिन महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया था, उनमें "पीएसपी के लिए नीति, योजना और विनियामक ढांचा", "पीएसपी के विकास में भूवैज्ञानिक, सिविल और भौतिक विचार", "पर्यावरण और वन मंजूरी ढांचा- चुनौतियां और सुव्यवस्थित करना", तथा "भारत में पीएसपी के लिए कार्यान्वयन चुनौतियां और इसके आगे का सफर" शामिल थे। इन चर्चाओं ने प्रत्येक क्षेत्र में आने वाली जटिलताओं और अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई, जिससे नीति निर्माताओं, डेवलपर्स, तकनीकी विशेषज्ञों और पर्यावरण पेशेवरों के मध्य एक उपयोगी संवाद को बढ़ावा मिला।

श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस), सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन के दौरान इस बात पर बल दिया कि ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करना तत्काल राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय है और प्रत्येक राज्य को इस प्रयास में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहिए। उन्होंने लचीले उत्पादन और लोड शिफ्टिंग पर विशेष ध्यान देने के साथ ग्रिड प्रबंधन के दृष्टिकोण से राज्यों के भीतर उप-क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पीएसपी विकास में तीव्रता लाने के लिए विचार-मंथन और नीतिगत संवाद की आवश्यकता है, जिसमें प्रक्रियागत विलम्ब की समीक्षा करने और प्रक्रियाओं और प्लेटफार्मों को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जो आम सहमति बनाने और समन्वित क्षेत्रीय कार्रवाई को सक्षम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

श्री आकाश त्रिपाठी (आईएएस), अपर सचिव (हाइड्रो), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि इस कार्यशाला की उत्पत्ति पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) के विकास में तेजी लाने हेतु सहयोग करने के लिए प्रासंगिक हितधारकों को एक साथ लाने की आवश्यकता में निहित है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य पीएसपी कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाने की प्रक्रियाओं पर विचार-मंथन और प्रमुख नीतिगत दृष्टिकोण के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

श्री एम.जी. गोखले, सदस्य(हाइड्रो) सीईए ने भारत में पंप स्टोरेज परियोजनाओं(पीएसपी) की विशाल क्षमता पर प्रकाश डाला और विश्वसनीय ऊर्जा भंडारण के माध्यम से देश के नेट जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने में पीएसपी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में 1000 मेगावाट के टिहरी पीएसपी के कमीशन होने सहित 2025-26 में लगभग 3 गीगावाट पीएसपी क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री गुरदीप सिंह ने बड़े पैमाने पर पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) के शीघ्र कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि सुदृढ़ भंडारण समाधानों के बिना ऊर्जा परिवर्तनकाल सफल नहीं हो सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा की आंतरायिक प्रकृति को देखते हुए, उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा और विश्वसनीय ग्रिड प्रबंधन में स्थिर बदलाव के लिए भंडारण क्षमताओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को पहचानने एवं धरातल पर परियोजनाओं के शीघ्र एवं अधिक कुशल निष्पादन को सुनिश्चित करने के तरीकों की खोज करने पर होना चाहिए।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर.के. विश्नोई ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि कार्यशाला का उद्देश्य पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) के विकास पर विचार-विमर्श करना है। उन्होंने कहा कि ध्यान बाधाओं की पहचान करने और धरातल के स्तर पर परियोजनाओं के शीघ्र और अधिक कुशल निष्पादन को सुनिश्चित करने के तरीकों की खोज करने पर होगा। श्री विश्नोई ने परिचालन के विभिन्न पहलुओं में ऑटोमेशन के दायरे और निर्बाध प्रचालन सुनिश्चित करने के साथ दक्षता बढ़ाने पर बल दिया।

सीबीआईपी के सचिव, श्री ए. के. धिनकर ने धन्यवाद ज्ञापन किया और प्रतिष्ठित पैनलिस्ट को उनकी भागीदारी और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही एक लचीले और सतत भविष्य के निर्माण में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में पंप स्टोरेज परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के महत्व पर प्रकाश डाला। पहली पैनल चर्चा "पीएसपी के लिए नीति, योजना और नियामक ढांचे" विषय पर केंद्रित थी, जिसका संचालन विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (हाइड्रो), श्री मोहम्मद अफजल ने किया। पैनल में श्री भूपेंद्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) शामिल थे, जिन्होंने वर्तमान नीति व्यवस्था के तहत पीएसपी विकास पर डेवलपर के दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श किया। सीईए, एनटीपीसी, टीएचडीसी, एनएचपीसी, आरईसी/पीएफसी, एसजेवीएन, नीपको, सीडब्ल्यूसी, यूपीजेवीएनएल, ग्रीनको ग्रुप, जीएसआई, सीएसएमआरएस, महाजेनको, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, एपीजेनको, अडानी ग्रुप, ओएचपीसी, टाटा पावर और आईआईटी रुड़की जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों ने पीएसपी योजना और निष्पादन में चुनौतियों पर काबू पाने के लिए केस स्टडी, सर्वोत्तम अभ्यास और अभिनव रणनीतियों को साझा किया।

खुर्जा परियोजना में हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

खुर्जा परियोजना में 23 मई, 2025 को हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय के काम-काज में हिंदी को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को परियोजना प्रमुख, श्री कुमार शरद द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन करने में मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग की प्रमुख भूमिका रही।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री देवराज किसन, पुत्र श्री भोलेश्वर किसन, कनिष्ठ अधिकारी, निदेशक (वित्त) सचिवालय, ऋषिकेश ने CAT 2024 सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर आईआईएम शिलांग जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिला पाया है | टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड श्री देवराज को बधाई देता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है |

THDCIL Conducted Holistic Wellness Program for Employees on Bone, Joint & ENT Health

Reaffirming its steadfast commitment to the holistic well-being of its employees, THDC India Limited (THDCIL), under the visionary leadership of Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, organized an enlightening health talk titled “Celebrate the Second Innings of Life with Healthy Bones and Joints” at the THDC’s HRD Centre, Rishikesh.

Speaking on the occasion, Sh. R. K. Vishnoi, CMD, THDCIL, emphasized that THDCIL firmly believes its employees are the organization’s most valuable asset, and ensuring their health and well-being – not only during active service but also as they step into retirement – is a top priority for the company. He added, “Our workforce has been the driving force behind THDCIL’s success story. It is our moral and organizational responsibility to empower them with knowledge, resources, and support to lead healthy, fulfilling lives long after their years of active service.”

The event was inaugurated by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL, by lighting the auspicious lamp. In his welcome address, Director (Personnel), underlined the importance of musculoskeletal health, which is often neglected compared to other common health indicators. “Through initiatives like this, we aim to promote proactive care, ensuring that our valued colleagues enjoy a vibrant and dynamic second innings,” he noted.

The session was graced by eminent orthopedic specialist Dr. Nikunj Agarwal, Associate Director, Orthopedics and Joint Replacement, and Dr Sanjeev Arora, Director(ENT), Max Super Speciality Hospital, Vaishali, Ghaziabad, who shared invaluable insights on maintaining bone and joint health, particularly as individuals transition into the later phases of life.

Around 60 enthusiastic participants attended the session, engaging actively in the discussions and Q&A segment. Dr. Agarwal addressed various topics, including arthritis management, osteoporosis prevention, strategies to maintain flexibility, balance, and strength, as well as the importance of early interventions and lifestyle modifications.

The serene and lush surroundings of the HRD Centre provided the perfect backdrop for this knowledge-sharing event, reflecting THDCIL’s broader vision of fostering continuous learning, growth, and wellness among its workforce – not just during active service, but well into retirement.

In addition to the health talk, THDCIL also organized a health camp on ENT and Orthopedics for its employees at the THDC Dispensary, Rishikesh, providing on-the-spot consultations, screenings, and expert advice to promote preventive healthcare among its workforce.

Glimpses of Medical Camp

THDCIL Observed Swachhata Pakhwada 2025

THDC India Limited commenced the observance of Swachhata Pakhwada 2025 from 16th May to 31st May, 2025 across all its offices, project sites, and residential townships. Shri R. K. Vishnoi, CMD, THDCIL, reaffirmed the organization's strong commitment to maintaining clean and sustainable surroundings. Swachhata Pakhwada is not merely an annual campaign but a reflection of the organization's core values and its dedication to building a cleaner, greener India. This year's initiative aims to instill a culture of cleanliness with a focus on weeding out old office files, ensuring hygienic work environments, and promoting personal cleanliness among employees.

Aligning with this vision, Shri Sipan Kumar Garg, Director (Finance), THDCIL, administered the Swachhata Pakhwada Pledge to employees at the Corporate Office, Ganga Bhawan, Rishikesh on 16th May 2025. The pledge ceremony saw enthusiastic participation from employees, showcasing their collective resolve to contribute actively to the national cleanliness drive. In his address, Shri Garg encouraged employees to view Swachhata Pakhwada not just as a ceremonial activity, but as a deeply embedded responsibility.

In alignment with this year's theme, "Swachhata is Everyone's Business," THDCIL undertook a series of sustainable initiatives and awareness activities to engage not only employees but also communities in and around its operational areas. Similar pledge ceremonies and cleanliness drives were organized at all project sites and unit offices of THDCIL, reinforcing the organization's inclusive and comprehensive approach to the Swachh Bharat Mission. During the occasion Sh. R. C. Bahuguna, CGM (Law and Arbitration), Dr. A. N. Tripathy, GM (HR & A and CC), Sh. A. K. Garg, GM (Finance), Sh. M. K. Rai, GM (Procurement), Sh. H. K. Jindal, AGM (S&E) along with other officers of THDCIL were also present.

Glimpses of Swacchata Pakhwada Pledge Ceremony at project and unit offices

Tehri

Khurja

Pipalkoti

Jaipur

Dehradun

Chitrakoot

Lalitpur

Jhansi

'कचरे से खजाना': टीएचडीसी की अभिनव पहल से झलकी स्वच्छता के प्रति जागरूकता

भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 16 मई से 31 मई 2025 तक पूरे देश में स्वच्छता पखवाडा मनाया गया, जिसके अंतर्गत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा विभिन्न स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बैनर और पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलाना, छात्रों के लिए निबंध लेखन, नारा, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। व्यक्तिगत स्वच्छता, प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक, प्लास्टिक की जगह बायोडिग्रेडेबल थैलियों का उपयोग, कचरे से खजाना और विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान के तहत आयोजन किए गए। स्वच्छता न केवल एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, बल्कि यह सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। इसी विचार को साझा करते हुए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने बताया कि स्वच्छता केवल शारीरिक स्वच्छता का विषय नहीं, यह राष्ट्र निर्माण की एक आधारशिला है। हमारी भावी पीढ़ी यदि इस सोच को अपनाए, तो हम एक स्वच्छ, सशक्त और सतत विकास के भारत की कल्पना को साकार कर सकते हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम व गतिविधियां कॉरपोरेट कार्यालय सहित सभी परियोजना कार्यालयों व इकाइयों में आयोजित की गईं।

इसी क्रम में, टीएचडीसी द्वारा 26 मई, 2025 को टीएचडीसी हाईस्कूल, ऋषिकेश में ''कचरे से खजाना'' के तहत घरों में पड़ी अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुओं को तैयार किए जाने हेतु एक दिवसीय प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 5 से 10 तक के छात्र-छात्राओं द्वारा तीन-तीन के समूह में अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुओं को तैयार कर प्रदर्शनी की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेंद्र सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया तथा प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए निदेशक (कार्मिक), श्री सिंह ने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु बधाई दी और कहा कि स्वच्छता की शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। जब हम खुद स्वच्छता को अपनाते हैं, तब हमारे आसपास भी सकारात्मक बदलाव आते हैं। देश को स्वच्छ बनाने में हम सबकी सामूहिक भागीदारी आवश्यक है।

प्रदर्शनी में चयनित विजेता समूहों के साथ-साथ 19 मई 2025 को आयोजित चित्रकला, निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसी कड़ी में, 28 मई, 2025 को टीएचडीसी के कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के साथ-साथ टिहरी परियोजना, झांसी इकाई, वीपीएचईपी, देहरादून स्थित टीयूईसीओ कार्यालय एवं अन्य परियोजना स्थलों पर व्यापक स्तर पर एक दिवसीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

टिहरी परियोजना, में कार्यपालक निदेशक कार्यालय परिसर, भागीरथीपुरम मार्केट, बस स्टॉप, शहीद स्मारक, एवं डैम व्यू पॉइंट तिराहा, भागीरथीपुरम में टीएचडीसी के कर्मचारियों द्वारा साफ-सफाई की गई। ऋषिकेश स्थित योग नगरी रेलवे स्टेशन परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने हेतु टीएचडीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें यात्रियों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने हेतु अनुरोध किया गया। इसी प्रकार टीएचडीसी की झांसी इकाई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हनुमान मंदिर, सूजनपुरा परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाकर सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन किया गया। साथ ही, देहरादून स्थित टीयूईसीओ लिमिटेड कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यालय परिसर की सफाई के साथ-साथ देहरादून के 26 ई. सी. रोड स्थित स्थानीय क्षेत्र में श्रमदान करते हुए साफ-सफाई की गई। स्थानीय नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें सार्वजनिक स्थलों पर सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

टिहरी

पीपलकोटी

ऋषिकेश

Director (Technical), THDCIL Visited Khurja STPP

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL visited KSTPP, Khurja on 09 May, 2025. He was welcomed by Sh. Kumar Sharad, ED (Project) and all the employees of the project. He reviewed the progress of the project and was satisfied with the progress. He appreciated the contribution & dedication of all the employees & other associates who are associated with the project.

Sh. Gupta, Director (Technical), THDC inaugurated the Stacker cum Reclaimer-2 on 09 May, 2025 at KSTPP. In a major milestone for Khurja STPP and a significant step forward in enhancing the readiness of the Coal Handling Plant (CHP), Stacker-cum-Reclaimer-2 was inaugurated. It has successfully demonstrated its capability to stack and reclaim coal at rated capacities of 1600 and 2000 Metric Tons per Hour (MTPH), respectively. This development will enable the utilization of the full storage capacity of the stockyard, which is designed to hold 3,000,000 metric tons of coal—sufficient to meet the requirements of two units at Khurja STPP for approximately 20 days. With both stacker and reclaimer now operational, simultaneous stacking and reclaiming of coal is possible, thereby increasing system redundancy. Additionally, it will support coal feeding to the bunker of Unit-02 alongside Wagon Tippler-02, which is already in service. All technical and operational parameters were successfully met, including the boom of the stacker achieving a slew angle of 110 degrees on either side of the 12B conveyor, along with successful luffing and travel operations. This milestone completes the entire set of activities from the Wagon Tippler Complex-2 to Stacker Cum Reclaimer-2 increasing the system reliability by ensuring continuous Coal feeding to Bunkers along with already operational Wagon Tippler-01 and Stacker Reclaimer-01. This is a major step towards the commissioning of the # Unit 2 of Khurja STPP and reflects the readiness of the complex to manage the demanding requirements of coal handling and sets the stage for subsequent operations. During the visit and inauguration Sh. Kumar Sharad, ED(Project), Sh. R M Dubey, GM (Electrical), Sh. Binod Kumar Sahoo, GM (O&M), Sh. Shailesh Dhyani, AGM (Mech.), Sh. Sandeep Bhatnagar, GM(F&A), Sh. Mukul Sharma, DGM (TG) other Sr. Officials & Officials of L&T, TKIL and BHEL were present.

Corporate Office, Rishikesh observed International Labour Day

International Labour Day was celebrated on 1st May, 2025 at Corporate Office in Rishikesh. Sh. Satish Kumar Arya, Dy. CVO, graced the occasion and highlighted the importance of integrity, fairness, and dignity of labour. A presentation on workers' rights was delivered by Sh. Hardev Pant, DGM (Vigilance). The event was attended by senior officials including Sh. A.K. Kansal, AGM (Services), Sh. S.B. Prasad, DGM (HR&A), Sh. V.P. Raturi, DGM (Services), Sh. G. S. Chauhan, DGM (Vigilance), Sh. S. K. Pandey, DGM (Services) along with other officials.

Amelia Coal Mine Project observed International Labour Day

On the occasion of International Labour Day, a special program was organized at the Amelia Coal Mine Site Office on 1st May, 2025 to honour the invaluable contributions of workers and to reaffirm the company's commitment to their welfare, rights, and dignity. The event commenced with an opening address by Sh. D. S. Rao, Senior Manager (HR), who highlighted the historical significance of Labour Day and reiterated the organization's dedication to creating a safe, respectful, and equitable work environment for all employees.

CVO, THDCIL visited Amelia Coal Mine Project

To conduct a comprehensive review of ongoing activities, operational efficiency, and team performance of the Amelia Coal Mine Project, Chief Vigilance Officer (THDCIL), Ms. Rashmita Jha visited the project on 30 April, 2025. Sh A.K.Sharma OSD (Amelia), Sh. Rajeev Govil, GM (Project) and other senior officials of ACMP, Singrauli welcomed CVO (THDCIL) during her maiden visit to Amelia Coal Mine Project. A formal interaction with the employees was made by CVO and a meeting was held at THDCIL Office, Waidhan where a detailed presentation was delivered outlining the overall progress of the project, key milestones achieved, current challenges, and the roadmap for future phases. Post presentation, a site visit was conducted by the CVO to observe the ongoing mining activities. CVO (THDCIL) congratulated the whole team of Amelia for the timely achievement of milestones so far and appreciated the team for dedicated efforts to achieve the coal production and dispatch target given by MoC in FY 2022-23, 2023-24 & 2024-25. She also appreciated the best safety practices followed in the mining operation and congratulated the team for achieving zero fatal accidents & zero serious accidents in the mine. She was keenly interested in mining activities, continuous improvement in operational practices, environmental concern, and teamwork of ACMP, Singrauli. Her remarks were both appreciative and constructive, recognizing the team's dedication while encouraging innovation and efficiency.

लेडीज़ क्लब

तरंगिनी महिला ऑफिसर्स क्लब, टिहरी द्वारा छात्रावास में आहार किट का वितरण

20 मार्च, 2025 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की टिहरी परियोजना ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत एवं तरंगिनी महिला ऑफिसर्स क्लब के सहयोग से प्रतापनगर स्थित कस्तूरबा गाँधी छात्रावास में पोषण एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्रावास में अध्ययनरत बच्चों में पोषण आहार किट का वितरण किया | वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ तरंगिनी महिला ऑफिसर्स क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती विजया जोशी द्वारा किया गया |

लेडीज़ क्लब 'मंजरी', खुर्जा द्वारा स्कूली छात्रों हेतु चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

लेडीज़ क्लब 'मंजरी', खुर्जा परियोजना द्वारा 16 मई, 2025 को उच्च प्राथमिक विद्यालय, दशहरा में स्कूली छात्रों हेतु चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस चित्रकला प्रतियोगिता का विषय "जल संरक्षण का महत्व" था। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को 17 मई, 2025 को लेडीज़ क्लब 'मंजरी' की अध्यक्षा, श्रीमती बिनिता शरद ने पुरस्कृत किया। उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों का उत्साहवर्धन किया एवं उन्हें जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में लेडीज़ क्लब 'मंजरी' की अन्य सदस्ययाएं भी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जनसंपर्क विभाग की प्रमुख भूमिका रही।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा मासिक बैठक का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश "तेजस्विनी" द्वारा 28 मई, 2025 को क्लब की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें नियमित एक्टिविटी एवं टैलेंट शो राउंड के साथ ही क्लब की सदस्या श्रीमती तबस्सुम का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत द्वारा की गई। सभी सदस्याओं ने अनेक प्रकार के गेम्स जैसे तंबोला आदि का भी आनंद लिया। एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई, संरक्षिका श्रीमती मनु शिखा गुप्ता, संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। विदाई समारोह के पश्चात मई माह में जन्मे सभी सदस्यों का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया।

नेपाल के सुदुरपश्चिम प्रान्त के माननीय मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रीगणों ने किया टिहरी बांध परियोजना का दौरा

नेपाल के सुदुरपश्चिम प्रान्त के माननीय मुख्यमंत्री, कमल बहादुर शाह एवं उनकी सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्य, विधानसभा के सदस्य, मुख्य सचिव (सुदुरपश्चिम प्रान्त) द्वारा 03 मई, 2025 को टिहरी बांध का दौरा किया गया । अतिथि गृह पहुंचने पर कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एल.पी. जोशी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री सुदुरपश्चिम प्रान्त, नेपाल श्री कमल बहादुर शाह एवं अन्य माननीय मंत्रियों का गुलदस्ता प्रदान कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात माननीय अतिथिगणों द्वारा टिहरी बांध का निरीक्षण किया गया। टिहरी बांध के व्यू पॉइंट पहुंचने पर श्री एल.पी. जोशी द्वारा टिहरी बांध निर्माण एवं पुनर्वास संबंधी सम्पूर्ण जानकारी माननीय मुख्यमंत्री एवं उनकी टीम को दी गई। तत्पश्चात अतिथिगणों द्वारा टिहरी बांध के भूमिगत पॉवर हाउस का निरीक्षण किया गया एवं तकनीकी जानकारी प्राप्त की गई। श्री जोशी द्वारा विस्तारपूर्वक टिहरी बांध परियोजना से होने वाले विद्युत उत्पादन की जानकारी से अतिथिगणों को अवगत कराया गया। साथ ही पी.एस.पी. से संबंधित कार्यों एवं भविष्य में होने वाले विद्युत उत्पादन की जानकारी से भी माननीय मुख्यमंत्री एवं अन्य सदस्यों को अवगत कराया। अतिथिगणों द्वारा टिहरी बांध निर्माण एवं विद्युत उत्पादन की सराहना करते हुए टिहरी बांध को अद्भुत इंजीनियरिंग का नमूना बताया। इस अवसर पर सुदुरपश्चिम प्रान्त की सरकार के कृषि एवं भू-प्रबंधन, सहकारिता मंत्री माननीय बीर बहादुर थापा, नेपाल के कलाई जिले के सुदुरपश्चिम प्रांत के विधानसभा सदस्य माननीय घनश्याम चौधरी, नेपाल के बजूरा जिले के सुदुरपश्चिम प्रांत के विधानसभा सदस्य माननीय नरेश कुमार शाही, नेपाल के अछाम जिले के सुदुरपश्चिम प्रांत के विधानसभा सदस्य माननीय झपट बहादुर सौद, नेपाल के सुदुरपश्चिम प्रांत सरकार के मुख्य सचिव डॉ. कमल प्रसाद पोखरेल शर्मा, जो कि नेपाल सरकार के शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव भी है, नेपाल के सुदुरपश्चिम प्रांत के निति एवं योजना आयोग सदस्य माननीय शेर बहादुर भंडारी, सुदुरपश्चिम प्रांत के भौतिक मूलढांचे के सचिव श्री सूरत कुमार बाम, सुदुरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री श्री कमल बहादुर शाह के राजनैतिक सलाहकार डॉ. जितेन्द्र उपाध्याय, सुदुरपश्चिम प्रांत के मुख्यमंत्री के निजी सचिव श्री राम बहादुर बिस्टा एवं श्री साकेता रजा मुसिनिपल्ली, उप सचिव नेपाल, टीएचडीसी इण्डिया लिमिटेड के महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय) श्री विजय सहगल, उप जिलाधिकारी टिहरी, श्री संदीप कुमार, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) श्री डी.पी. पात्रों, प्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री मनबीर सिंह नेगी आदि उपस्थित थे।

सीईआरसी के सदस्यों ने किया टिहरी बांध परियोजना का भ्रमण

16 मई, 2025 को सीईआरसी के सदस्य एवं अधिकारियों ने टिहरी बांध का दौरा किया। अतिथि गृह पहुंचने पर कार्यपालक निदेशक (टिसी), श्री एल.पी. जोशी द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात सीईआरसी के सदस्यों, अधिकारियों और टीएचडीसी के अधिकारियों के मध्य पी.एस.पी. के कार्यों एवं प्रगति के बारे में एक बैठक हुई। बैठक में पी.एस.पी. के कार्यों एवं प्रगति के बारे में विचार-विमर्श हुआ, जिसमें टीएचडीसी की ओर से प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सीईआरसी के सदस्यों एवं अधिकारियों को सम्पूर्ण जानकारी दी गई । 17 मई, 2025 को सीईआरसी के सदस्यों द्वारा टिहरी बांध व टिहरी कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया गया | इस दौरान श्री एल.पी. जोशी द्वारा टिहरी बांध निर्माण एवं पुनर्वास संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी से टीम को अवगत कराया गया। सीईआरसी के सदस्यों एवं अधिकारियों ने टिहरी पी.एस.पी. की सर्ज साफ्ट बटर फ्लाई वाल्ब, मशीन हॉल का गहराई से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री एल.पी. जोशी, मुख्य महाप्रबंधक (पी.एस.पी.) श्री ए. आर. गैरोला ने प्रत्येक स्थलों के कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। टिहरी एच.पी.पी. से हो रहे विद्युत उत्पादन एवं पी.एस.पी. की कमीशनिंग एवं भविष्य में होने वाले इस पावर हाउस से विद्युत उत्पादन की जानकारी उपलब्ध कराई। सीईआरसी के सदस्यों ने टिहरी एच.पी.पी. एवं पी.एस.पी, कोटेश्वर बांध निर्माण एवं इनसे हो रहे विद्युत उत्पादन की सराहना की।

कोटेश्वर में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

कोटेश्वर परियोजना में नवरंग हॉल में 19 मार्च, 2025 को टिहरी एवं कोटेश्वर परियोजना में कार्यरत कार्मिकों हेतु राजभाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टीसी), श्री आयुष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, टिहरी गढ़वाल, श्री जे. आर. जोशी, अपर पुलिस अधीक्षक, टिहरी गढ़वाल, श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक, कोटेश्वर, डॉ. डी. के. सिंह महासचिव उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन एवं ख्याति प्राप्त कवियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर संयुक्त रूप से किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय का संयुक्त राजभाषा निरीक्षण संपन्न

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बुलंदशहर के तत्वावधान में होटल अशोक, नई दिल्ली में इसके 06 सदस्य संस्थानों का संयुक्त राजभाषा निरीक्षण एवं विचार विमर्श कार्यक्रम का 09 मई, 2025 को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नराकास बुलंदशहर के अंतर्गत आने वाले टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय का भी राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम नराकास, बुलंदशहर के अध्यक्ष, पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख, श्री मधुकर कुमार शर्मा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया तथा सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं राजभाषा अधिकारियों ने माननीय समिति को अपना परिचय दिया।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री कुमार शरद ने समिति के माननीय अध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोकसभा), माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा), डॉ. दिनेश शर्मा, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), श्री उज्ज्वल रमण सिंह, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), श्री शंकर लालवानी, माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), श्री सतीश कुमार गौतम एवं माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), श्रीमती धर्मशीला गुप्ता का शॉल ओढ़ाकर एवं पुस्तक तथा पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर समिति के सचिव, श्री प्रेम नारायण, वरि.अनुसंधान अधिकारी, श्री इरफान अहमद खान, अनुसंधान अधिकारी, श्री रामनारायण साव, समिति सहायक, श्री अनुप साव एवं समिति रिपोर्टर श्री सहदेव सिंह उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय एवं समिति के माननीय सदस्यों ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रशंसा की तथा राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने निरीक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय को बधाई देते हुए कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का प्रत्येक कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन को भी अपने मूल कार्य के समान ही महत्व देता है, जिसके परिणामस्वरूप राजभाषा निरीक्षणों के दौरान माननीय संसदीय राजभाषा समिति की प्रशंसा प्राप्त होती रही है।

टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने कारपोरेट कार्यालय की ओर से माननीय संसदीय राजभाषा समिति के माननीय अध्यक्ष, भर्तृहरि महताब एवं सभी माननीय संसद सदस्यों का उनके अमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सुझावों को पूरे निगम में लागू करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने का भरसक प्रयास किया जाएगा।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की ओर से निरीक्षण बैठक में कार्यपालक निदेशक (परियोजना) सहित श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन), श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा), श्री नरेश सिंह, सहायक अधिकारी (राजभाषा) तथा श्री यशवंत सिंह नेगी, कनिष्ठ हिंदी अधिकारी (राजभाषा) उपस्थित रहे।

THDC India Limited Honoured as HR Excellence Company of the Year 2025 in Power Sector at GEEF Global Summit

THDC India Limited conferred with the prestigious HR Excellence Company of the Year 2025 in 'Power Sector' at the GEEF Global Energy Leaders Summit & Awards 2025. Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, conveyed his heartiest wishes on this achievement and underlined the significance of this award as a reflection of the organization's unwavering commitment to empowering its people and embedding a culture of innovation, transparency, and empathy.

THDCIL's holistic HR approach anchored in digital agility

and inclusive growth continues to drive sustainable excellence across the company's operations and workforce. THDCIL's robust HR ecosystem includes the successful rollout of its Learning Management System (LMS) enhancing accessibility to knowledge and skill-building across all levels. The company's digitized HR Analytics Dashboards and automated reward systems have enabled data-driven decision-making and operational transparency. At THDCIL, we are committed to providing a State-of-the-Art ecosystem fostering a progressive, inclusive work culture that empowers our employees at every level.
Sh. Vishnoi stated that employee well-being remains at the heart of THDCIL's HR strategy, which is built on a strong foundation of inclusivity, trust, transparency, and mutual respect. At THDCIL our human capital is our greatest asset, and we are deeply committed to creating an environment where every individual feels valued, supported, and empowered to reach their full potential.
Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), congratulated the THDCIL family on this remarkable recognition and stated that this award is a testament to THDCIL's steadfast "people-first" philosophy. He emphasized that the organization fosters an employee centric culture backed by inclusive policies, robust welfare programs, and empowering leadership. Also being recognized as a Great Place to Work reflects our continuous efforts to provide a progressive and empowering office culture equipped with the latest tools and systems to achieve our organizational goals. THDCIL's employee-friendly policies extend well beyond active service, including comprehensive post-retirement medical facilities.
Sh. Anil Swarup, Former Secretary of the Ministry of Education and Ministry of Coal, Government of India, presented the award to THDCIL received by Sh. Neeraj Verma, Executive Director (In-Charge), NCR, on behalf of THDCIL at a glittering ceremony in New Delhi. This award marks a significant milestone in THDCIL's journey toward becoming a global benchmark in human capital excellence within the power sector. The event featured various sessions on energy transactions, environmental lectures, and included participation from an prominent national and international delegation.

HRD CORNER

A 02-Day Training Program for Union Members- Role & Challenges of Union Members

A 02-day Training program for Union Members on the topic "Role & Challenges of Union Members" was organized on 28th & 29th May, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The program was designed for Office Bearers/ Union Members of Unions recognized by THDCIL across all locations . The objective of the program was to build awareness of legal, ethical and organizational role of union members. The program was attended by 26 nos. of participants.

A 02-Day Vigilance Awareness Program for Executives of Grid Controller of India (NRLDC)

A-02 Day Vigilance Awareness Program for Executives of Grid Controller of India (NRLDC) was conducted on 26th & 27th May, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The objective of the program was to sensitize employees to rules, regulations, and ethical practices, educate them about types of vigilance, promote transparency and good governance, and encourage accountability and compliance. Sr. GM (HR)/ Dy. CVO and GM (Finance) Grid Controller of India (NRLDC) also attended the program. The Program was attended by 26 nos. of participants from Grid Controller of India. The program covered topics such as Vigilance angle & Role of CVC, Framing of Charge Sheet, issues connected with Public Procurement, Ethics & Personal Discipline, etc.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

टिहरी परियोजना के भागीरथीपुरम चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

टिहरी परियोजना के भागीरथीपुरम चिकित्सालय द्वारा एवं आई.एम.ए. ब्लड बैंक, देहरादून के सहयोग से 23 मई, 2025 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (टि.सी.) श्री एल.पी. जोशी ने किया । रक्तदान शिविर में कुल 146 लोगों ने रक्तदान किया, जिनमें 134 पुरुष एवं 12 महिलाएं थीं। यह रक्तदान शिविर अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय) डॉ. नमिता डिमरी एवं आई.एम.ए. देहरादून की मेडिकल टीम के संरक्षण में किया गया। रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर कार्यपालक निदेशक (टि.सी.), श्री एल.पी. जोशी ने कहा कि चिकित्सालय द्वारा समय-समय पर चिकित्सा विशेषज्ञों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है जो कि अत्यन्त सराहनीय है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है जिससे किसी को नया जीवन मिल सकता है। समाज के एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सभी को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए।

उमंग ऑफिसर्स क्लब, टिहरी परियोजना द्वारा वार्षिकोत्सव का आयोजन

उमंग ऑफिसर्स क्लब, टिहरी परियोजना का वार्षिकोत्सव 26 मार्च, 2025 को बहुउद्देशीय भवन, टिहरी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री एल.पी. जोशी रहे। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री एल.पी. जोशी, श्रीमती विजया जोशी, मुख्य महाप्रबन्धक (कोटेश्वर परियोजना) श्री एम.के. सिंह, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री विजय सहगल एवं सांस्कृतिक संध्या हेतु पधारी उत्तराखंड की मशहूर लोक गायिका श्रीमती संगीता ढौंडियाल, ग़ज़ल सम्राट श्री दीपक कुमार द्वारा किया गया।

टुस्को लिमिटेड में अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस का आयोजन

01 मई, 2025 को टुस्को लिमिटेड, लखनऊ (टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी) कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस के अवसर पर सतर्कता विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री डी. पी. गैरोला, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) द्वारा "श्रमिकों के अधिकार" विषय पर प्रस्तुति दी गई, जिसके माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारियों को श्रमिक अधिकारों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री ए. पी. व्यास, अपर महाप्रबंधक, श्री सी.पी. रतूड़ी, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री शशांक लाल, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री बृज मोहन सिंह, उप प्रबंधक इत्यादि उपस्थित रहे।

वीपीएचईपी में श्रमिक अधिकार कार्यशाला के साथ अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया

अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस के अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की निर्माणाधीन परियोजना वीपीएचईपी द्वारा श्रमिकों के हित में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में श्रमिकों के स्वास्थ्य और अधिकारों के प्रति जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर वीपीएचईपी द्वारा एक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजना के निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. निकिता शर्मा (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम द्वारा रक्तचाप, शुगर, सामान्य रोगों की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ श्री अजय वर्मा (परियोजना प्रमुख, वीपीएचईपी) ने स्वयं रक्तचाप जांच कराकर किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी श्रमिकों को मज़दूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "मज़दूर दिवस हमें उन हाथों की अहमियत याद दिलाता है, जो परियोजना की नींव मजबूत करते हैं। वीपीएचईपी की प्रगति में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके स्वास्थ्य और अधिकारों की रक्षा हेतु टीएचडीसीआईएल सदैव प्रतिबद्ध है।"

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।
Knowledge is the supreme wealth.

खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना में मज़दूर दिवस का आयोजन

01 मई, 2025 को 1320 मे.वा. खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस का आयोजन किया गया। दुनिया भर में इस दिवस को श्रमिकों के सम्मान में मनाया जाता है। परियोजना प्रमुख, श्री कुमार शरद ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने सभी मज़दूरों को पुष्प देकर सम्मानित किया। परियोजना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि यहां कार्यरत श्रमिक हमारे प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत और समर्पण के बदौलत ही परियोजना आज इस मुकाम पर पहुंची है। उनके श्रम की ताकत से ही हर लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से हासिल कर पाना संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि मजदूर राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं और आज का दिन हमें यह याद दिलाता है कि श्रमिक केवल कामगार नहीं हैं, बल्कि वे निर्माता हैं, सृजनकर्ता हैं और एक बेहतर भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

इस अवसर पर सतर्कता विभाग द्वारा श्रमिकों के लिए जागरूकता वार्ता भी आयोजित की गई जिसमें उन्हें रोजगार की शर्तों, कार्य स्थितियों, औद्योगिक संबंधों, वेतन, सामाजिक सुरक्षा और श्रमिकों के कल्याण से जुड़े श्रमिक कानून एवं अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, मातृत्व लाभ अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, बाल और किशोर श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण कानूनों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख, श्री कुमार शरद, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण और बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहें।

खुर्जा परियोजना में प्रशिक्षण प्रोग्राम के समापन कार्यक्रम का आयोजन

खुर्जा परियोजना के सीएस.आर. विभाग द्वारा 6 माह के ब्यूटी पार्लर एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रोग्राम के समापन कार्यक्रम का 17 मई, 2025 को आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परियोजना प्रभावित क्षेत्र के गांव बडौली एवं सतनामी कॉलेज में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परियोजना प्रभावित गांवों की महिलाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाना था। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कार्यपालक निदेशक, श्री कुमार शरद ने अपने संदेश में प्रशिक्षित महिलाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए प्रोत्साहित किया। इसी कार्यक्रम में सतर्कता विभाग, खुर्जा ने वहां उपस्थित महिलाओं को सतर्कता, श्रमिक अधिकारों एवं महिला संबंधित अधिकारों के प्रति जागरूक किया | जिससे उनका निजी और व्यावसायिक जीवन बेहतर हो सके। इस अवसर पर उप-महाप्रबंधक (सतर्कता), उप-प्रबंधक (सतर्कता) एवं सी.एस.आर. विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

वीपीएचईपी द्वारा चमोली जनपद में पर्यावरण जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक अभियान प्रारंभ

वीपीएचई परियोजना के पर्यावरण संवर्धन के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से चमोली जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आम जनता को पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ 6 मई, 2025 को चमोली मुख्य बाज़ार में श्री के. पी. सिंह, महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण/ मैकेनिकल), वीपीएचईपी द्वारा किया गया। नुक्कड़ नाटकों का मंचन हिमालयन कल्चर समिति, उत्तराखंड द्वारा किया जा रहा है, जो जन-जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय एक सांस्कृतिक संस्था है। इस अभियान के अंतर्गत 30 नुक्कड़ नाटकों के आयोजन की योजना बनाई गई है, जो कि बौला, बिरही, गुनियाला, बेमरु, नौरख, पल्ला-हेलंग, गुलाबकोटी, सलूड जैसे ग्रामीण क्षेत्रों तथा जोशीमठ, पीपलकोटी, गोपेश्वर और चमोली जैसे शहरी क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए श्री के. पी. सिंह ने कहा कि “नुक्कड़ नाटक समाज और पर्यावरण जैसे गंभीर विषयों को आम जनमानस तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से हम विभिन्न आयु वर्गों के लोगों में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जागृत करने का प्रयास कर रहे हैं।” इस जनजागरूकता अभियान को स्थानीय नागरिकों का भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। बद्रीनाथ वन प्रभाग के अधिकारी भी इस कार्यक्रम में सहभागिता निभा रहे हैं। नुक्कड़ नाटकों में वन संरक्षण, स्वच्छता, जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास जैसे विषयों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा ने कहा कि “पर्यावरणीय उत्तरदायित्व टीएचडीसी के कार्य संस्कार का अभिन्न अंग है। विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना न केवल स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत है, बल्कि यह पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने वाला एक उदाहरण भी है। यह नुक्कड़ नाटक अभियान हमारे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसके माध्यम से हम स्थानीय समुदाय को उनके प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहभागी बनाना चाहते हैं।”

हिमालयन कल्चर समिति के अध्यक्ष, श्री कमल दानू ने इस पहल के लिए धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि यह अभियान स्थानीय लोगों में अत्यंत लोकप्रिय हो रहा है और सभी वर्गों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही हैं।

Project Management through Primavera

Sh. A.K. Ghildiyal
CGM (MPS)
Rishikesh

Sh. Pramod Kumar
DGM (MPS)
Rishikesh

Sh. Raghvendra Srivastava
Manger (MPS)
Rishikesh

Sh. Ashvani Anand
Dy. Manger (MPS)
Rishikesh

Introduction:

'Investment in infrastructure is a long-term requirement for growth and a long-term factor that will make growth sustainable'. The above quote by Mrs. Chanda Kochhar is enough to understand that the growth of any nation depends upon their infrastructure. Considering the vital role of infrastructure projects in the economic growth of any nation, timely completion of these projects is very important. This is where the need for project management arises.

Project Management:

According to the Project Management Institute (PMI), the term Project refers to "any temporary endeavor with a definite beginning and end". Project management involves planning and organizing resources to carry out specific tasks within a given time. Resources here denote Manpower, Machinery, Material and obviously Money. Every project usually has a budget, a scope, and a time frame. Project Management involves planning the deployment of resources in such a way that the project can be completed within the specified budget and time frame. Project management plays an important role from planning to execution to completion of any project.

Techniques of Project Management:

There are mainly two techniques of project management. These are:

1. Project Evaluation & Review Technique (PERT): This method is used in research & development type of projects or projects which are being executed for the first time. Each project comprises different types of activities, for example, let's say you are constructing your house, so the construction of the house here is the project and the steps involved, such as casting of slabs, plastering, etc, are activities. This method is based on a probabilistic approach. It means that the time taken in the completion of activities cannot be calculated accurately but is based on a probabilistic approach. The activity may or may not be completed in this timeframe. In this method cost is directly proportional to time. To minimize the cost, the project should be completed as early as possible.

2. Critical Path Method (CPM): This method is used in projects that are repetitive in nature, such as Construction Projects, Manufacturing Projects, etc. This method is based on a deterministic approach which means that the time taken to complete any activity can be calculated accurately. The activity shall finish within this timeframe, until and unless there is any occurrence of a natural calamity or war like situation. In this method, the project should finish in the optimum time to minimize the cost. Early completion or late completion both shall increase the cost of project.

Importance of Project Management:

Project management plays important role from planning to execution to completion of any project. During planning stage, it is used in defining activities & resources and allocation of these resources in appropriate manner for efficient working. During execution stage, it is used in identifying critical activities. Critical activities are those activities which if delayed can delay entire project. After identification of critical activities extra resources can be deployed or methodology can be changed to complete the activity in given timeframe. The Target is to complete Critical Path activities on time so that project gets completed without time and cost overrun.

Softwares used for Project management:

There are many softwares available for Project Management in the market. The softwares which are used in THDCIL are:

1. Primavera

2. MS Project

Out of these, Primavera is mainly used because it is a database-based software and has more features than MS Project.

Primavera:

Primavera is a project, program and portfolio management tool that is used for planning, managing and executing project work. It is a database-based project management software and enables multiple users to work on a project.

THDCIL is using the latest version of Primavera and it is used:

1. For making schedules of projects.
2. In tracking schedules and identifying critical paths.
3. To find critical activities lying on a critical path so that special emphasis can be given to them.
4. To find out critical activities that are delayed so that extra resources or different methodologies can be adopted to reduce the delay, thus reducing the time and cost overrun of the project.
5. To generate a Gantt chart and status report for a particular project for reporting to management.

Project Management through Primavera in THDCIL:

THDCIL currently has 4 projects in the under-construction stage. These are:

1. Tehri Pumped Storage Plant (1000 MW)
2. Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (444 MW)
3. Khurja Super Thermal Power Plant (1320 MW)
4. Floating Solar PV (FSPV) Plant on Raw Water Reservoir of Khurja STPP (11 MW).

THDCIL is using the latest version of Primavera for tracking the schedules of the above projects from time to time. The tracked schedule is then analyzed for the critical path. The critical path consists of critical activities that may delay the commissioning of these projects.

These critical activities are identified and are discussed in the management review meeting so that special emphasis, like extra resources or different methodology, can be provided to these activities to minimize the delay in these activities thus reducing the time and cost overrun of these projects.

The project schedule along with Gantt chart is also generated for these projects with the help of Primavera for submission to Management and Ministry/CEA. One such screen shot of schedule of Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (444 MW) in Primavera software along with its Gantt chart is attached below.

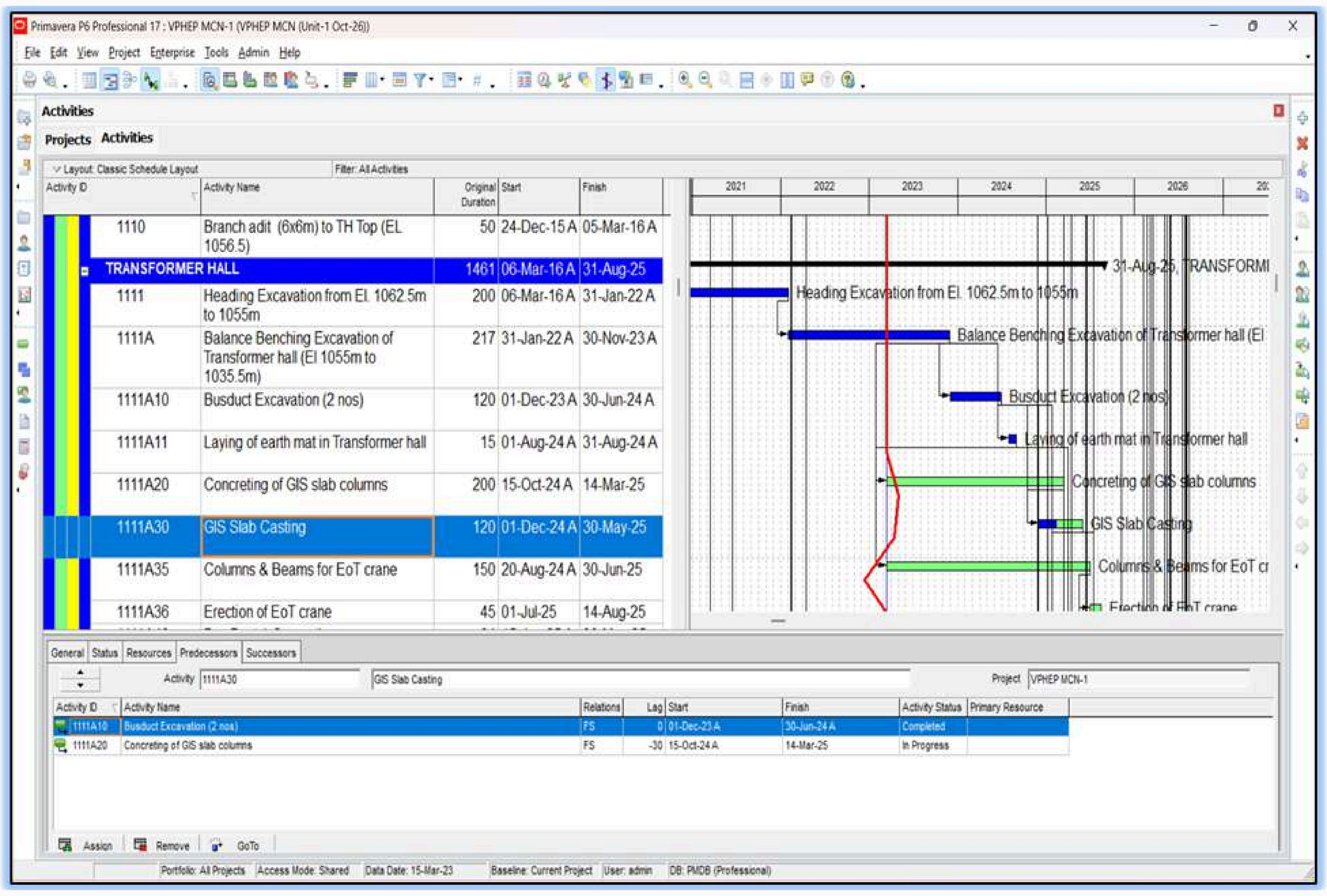

Conclusion:

India is a developing country and timely completion of Infrastructure projects is necessary for development and economic growth of the country. THDCIL is actively contributing to this growth with timely execution of power projects by using project management, effective monitoring and dedicated manpower.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Virendra Singh
ED (AP Projects)
DOR: 31-05-2025

Sh. Virendra Singh, Executive Director (Arunachal Pradesh Projects), superannuated from THDC India Ltd. on 31st May, 2025. A 1989 graduate in Production & Industrial Engineering from MNIT, Allahabad, Sh. Singh joined THDCIL in 1990 as an Engineer Trainee at Tehri. Over a remarkable 35-year career, he made significant contributions across Mechanical, Hydro-Mechanical, and Contract & Material Management domains, particularly during the construction and operational phases of the Tehri Dam and Power House.

From 2018, as Head of OMS at the Corporate Office, he spearheaded initiatives that elevated THDCIL's O&M performance, including integrated reservoir operations, flexible scheduling, and modernized reporting systems like Microsoft Power BI. His leadership ensured zero water spillage and record generation, even amidst challenging construction phases like the Tehri PSP.

Sh. Singh played a pivotal role in outsourcing O&M models, revising NAPAF benchmarks for Tehri and Koteshwar, establishing the Real-Time Remote Monitoring Centre, and extending ISO-certified quality systems to NCR offices. In 2024, he was posted as CGM, Arunachal Pradesh Projects (Kalai-II, 1200 MW), where he skillfully advanced clearances, JV proposals, and project groundwork, culminating in his elevation as Executive Director in May 2025. For his outstanding service, he was honored with THDCIL's highest employee award, the "Gaurav Award," in July 2024. Sh. Singh's contributions in THDCIL will always be remembered.

श्री मोहम्मद शोएब
अपर महाप्रबंधक (ओ. एम. एस.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

श्री नेल्सन लाकरा
उप महाप्रबंधक (मा.सं.)
मुंबई
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

श्री पी.सी. पांडेय
वरिष्ठ प्रबंधक (ओ. एंड एम.)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

श्री देवी प्रसाद भट्ट
वरिष्ठ प्रबंधक (विधि एवं पुनर्वास समन्वय)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

श्री इंदर राम नेगी
प्रबंधक (राजभाषा)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

श्री राजेश असवाल
कनिष्ठ अधिशासी (सा. एवं. पर्या.)
खुर्जा
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

श्री एस प्रसाद
हेल्पर
कौशांबी
सेवानिवृत्ति: 31-05-2025

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज़ लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Follow us:- @THDCIL 24x7 @THDCIL_MOP @THDC-India-limited @THDCIL India Limited - Official @THDC India Limited-Official